बीईसीसी-101

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2021-22

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–101
पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य

(2021-22)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-101, प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। **ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए।**

i) **जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2022 है।**

ii) **जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2022 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :
   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-101 : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.-101
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टी.एम.ए./2021-22
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य 1

निम्नलिखित वर्णनात्मक वर्ग के प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2x 20=40

1) क) पैट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC) बाज़ार संरचना के किस रूप का उदाहरण है? इस बाज़ार संरचना की विशेषताओं को बताइये। (10)

ख) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग करते हुए पॉल स्वीजी के किनकी माँग वक्र सिद्धांत पर विचार-विमर्श कीजिए। (10)

2) क) उपभोक्ता संतुलन के तटस्थता वक्र विश्लेषण की क्या-क्या मान्यताएँ हैं? (5)

ख) 'गिफिन वस्तुएं अवश्य ही घटिया वस्तु होनी चाहिए जबकि घटिया वस्तु गिफिन वस्तु हो भी सकती हैं और नहीं भी;' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? उत्तर के समर्थन में कारण दें। (4)

ग) ऐसे उपभोक्ता पर विचार करें जिसकी आय रु.100 है। उसके समक्ष चयन हेतु दो वस्तु A तथा B हैं। यदि उपभोक्ता अपनी संपूर्ण आय को A वस्तु पर व्यय करता है तो वह उसकी 5 इकाइयाँ खरीद सकता है। यदि वह अपनी संपूर्ण आय को B वस्तु पर व्यय करता है तो B की 20 इकाइयाँ खरीदता है। उपरोक्त सूचना के आधार पर निम्न प्रश्नों का उत्तर दें –

(i) बजट प्रतिबंध का समीकरण लिखें। साथ ही वस्तु A को क्षतिज अक्ष पर तथा वस्तु B को ऊर्ध्व अक्ष पर जोड़ते हुए बजट रेखा की रचना करें। इस बजट रेखा का ढाल क्या होगा? **(4)**

(ii) मान लीजिए संतुलन की स्थिति में इस वैयक्तिक उपभोक्ता A वस्तु की दो इकाई तथा B वस्तु की 12 इकाइयों का उपभोग करता है। इस बंडल को इसी रेखाचित्र में अंकित (plot) करें। इस बिंदु से गुजरते हुए एक नतोदार (convex) आकृति के उदासीनता वक्र का निर्माण करें। **(3)**

(iii) अब मान लीजिए कि आय बढ़कर रु.150 हो जाती है। यह बताएं कि बजट प्रतिबंध किस प्रकार परिवर्तित होगा? यदि दोनों ही वस्तुएँ सामान्य हैं, उस क्षेत्र को चिन्हित करें जहां नया सुंलन बिंदु स्थापित होगा। **(4)**

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3x 10=30**

3. (क) निम्नलिखित रेखाचित्र पर विचार करें जहाँ D एकाधिकारी फर्म का माँग वक्र है तथा MR व MC वक्र क्रमशः सीमांत आगम एवं सीमांत लागत वक्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। (10)

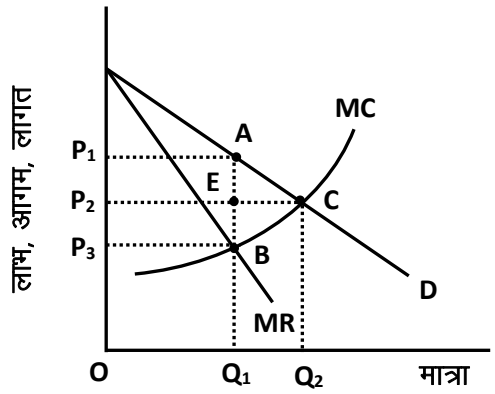

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें –

(i) उपयुक्त रेखाचित्र में कौन-सा बिंदु एकाधिकार के संतुलन बिंदु को व्यक्त करता है, एकाधिकारी द्वारा कितनी कीमत वसूली जाएगी तथा कितनी मात्रा का उत्पादन किया जाएगा? **(2)**

(ii) यदि यह पूर्ण प्रतियोगिता वाले बाज़ार की स्थिति होती तो संतुलन की स्थिति में कितनी कीमत और उत्पादन की मात्रा क्या होगी? **(2)**

ख) एक एकाधिकारी फर्म अपने माँग वक्र के बेलोचदार वाले भाग पर उत्पादन क्यों नहीं करता? **(3)**

ग) एक एकाधिकारी फर्म का लागत फलन TC = 10 + 2Q है जहाँ TC q मात्रा के उत्पादन की कुल लागत है। इस बाज़ार में माँग Q = 14 – P समीकरण से व्यक्त की गई है जहाँ P कीमत को बताती है। एकाधिकारी द्वारा प्राप्त होने वाले लाभ का आकलन करें। **(3)**

4) निम्नलिखित तालिका पर विचार करें जो किसी वस्तु के उत्पादन से संबंधित संख्याएँ बताती हैं

श्रमिकों की संख्या	कुल उत्पाद
0	0
1	12
2	16
3	22
4	26
5	28
6	28
7	24
8	18

उपरोक्त तालिका के आधार पर, निम्न प्रश्नों का उत्तर दें –

(i) उपरोक्त तालिका में परिवर्ती उत्पादन के नियम की तीनों अवस्थाओं को बताइये। **(2)**

(ii) एक युक्तियुक्त उत्पादक कौन-सी अवस्था में उत्पादन करना पसंद करेगा। **(3)**

ख) अल्पकाल में उत्पादन में किसी उत्पत्ति के साधन की बढ़ते, स्थिर तथा घटते प्रतिफल अवस्था के क्या कारण हैं? क्या किसी साधन के परिवर्तनशील प्रतिफल का नियम दीर्घकाल में भी लागू होता है? (5)

5) क) नकारात्मक उत्पादन बाह्यताएँ अति उत्पादन की ओर ले जाती हैं। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग करते हुए व्याख्या करें। (5)

ख) विद्यमान बाह्यताओं का आंतरिकीकरण करने में कर अथवा अनुदानों द्वारा क्या भूमिका अदा की जाती है? (5)

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 6 अंक है। **5x 6=30**

6. श्रम आपूर्ति वक्र पार्श्वगामी क्यों होता है? (6)

7. मार्शल तथा रिकार्डो के लगान सिद्धांत के बीच समानताएँ एवं विभिन्नताएँ बताइये। (6)

8. किसी उत्पत्ति के साधन की व्युत्पन्न माँग की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। (6)

9. दुर्लभ संसाधनों के आवंटन हेतु राशनिंग व्यवस्था के पीछे क्या तर्क हैं? (6)

10. क्षेमकारी अर्थशास्त्र के दूसरे मूलभूत सिद्धांत की व्याख्या करें। (6)